Dr. Raj Gopal,
Department of Philosophy
V.S.J. College Rajnagar.

Basic Features of Indian Philosophy (Lecture-6)

भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएँ (व्याख्यान-6)

(6.) चार्वाक दर्शन को छोड़कर भारत के सभी दार्शनिक अज्ञान को बन्धन का मूल कारण मानते हैं। मानव अज्ञान के वशीभूत होकर ही सांसारिक दुःखों को झेलता है, तथा एक जन्म से दूसरे जन्म में विचरण करता है। अज्ञान को सभी दर्शन बन्धन का मूल कारण माना है परन्तु प्रत्येक दर्शन में अज्ञान की व्याख्या अलग-अलग ढंग से किया गया है। बौद्ध दर्शन में अज्ञान का अर्थ है बुद्ध के चार आर्य सत्यों का ज्ञान नहीं रहना। सांख्य योग दर्शन में अज्ञान का अर्थ अविवेक है। पुरुष और प्रकृति वस्तुतः एक दूसरे से भिन्न हैं। पुरुष चेतन है, जबकि प्रकृति अचेतन है। पुरुष निष्क्रिय है, प्रकृति सक्रिय है। पुरुष निस्त्रैगुण्य है जबकि प्रकृति त्रिगुणमयी है। अज्ञान से वशीभूत होकर पुरुष अपने को प्रकृति से अभिन्न समझने लगता है। अतः सांख्य-योग दर्शन में अज्ञान का अर्थ पुरुष और प्रकृति के बीच भिन्नता के ज्ञान का अभाव। शंकर के दर्शन में अज्ञान का अर्थ है आत्मा के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान नहीं रहना।

अज्ञान का नाश ज्ञान से संभव होता है सभी दार्शनिकों मोक्ष के लिए ज्ञान को आवश्यक माना है। अज्ञान के नष्ट हो जाने [redacted] के पश्चात बन्धन का स्वतः नाश हो जाता है। जैन दर्शन में सम्यक् ज्ञान पर जोड़ दिया गया है। बौद्ध दर्शन में सम्यक् दृष्टि अपनाने का आदेश दिया गया है। न्याय वैशेषिक दर्शन में तत्व ज्ञान के द्वारा मोक्ष प्राप्ति को माना गया है। सांख्य विवेक ज्ञान के द्वारा जो पुरुष एवं प्रकृति में

Scanned with CamScanner

भेद का ज्ञान है कि सहजता से मोक्ष की प्राप्ति को स्वीकार करता है। शंकर विद्या के द्वारा जो अविद्या के विपरीत है, बन्धन की निवृत्ति मानते हैं।

(7) चार्वाक को छोड़कर भारत के सभी दार्शनिक विश्व को एक नैतिक रंगमंच माना है। जिस प्रकार से रंगमंच पर अभिनेता अलग-अलग वस्त्रों में सजधज कर आते हैं और अपना अभिनय कर लौट जाते हैं; उसी प्रकार मन इन्द्रियों से युक्त होकर मानव इस संसार में आता है और अपने कर्मों का प्रदर्शन करता है। इसी वर्तमान जीवन के कर्मों के आधार पर भविष्य जीवन निर्धारित होता है। अतः अच्छे कर्मों के द्वारा मानव भविष्य जीवन को सुनहरा बना सकता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति नैतिक व्यवस्था में आस्था रखकर विश्वरूपी रंगमंच का सफल अभिनेता बनने के लिए प्रयत्नशील रहता है।

Scanned with CamScanner